लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 29 June 2023

THE PIONEER PAGE 2

LU set to implement new PhD ordinance

PNS ■ LUCKNOW

The University of Lucknow is set to implement a new PhD ordinance for the year 2023, aimed at enhancing the efficiency of the admission process and facilitating smoother research experiences for students. The university is finalising the PhD regulations that will incorporate the UGC regulations of 2022 and will be applicable to all the state universities.

LU Vice-Chancellor Prof AK Rai, who also chairs the committee constituted by the Higher Education department for preparing the PhD regulations, said they are committed to streamlining the entire process, from admission to evaluation of PhD thesis.

The proposed changes in the ordinance seek to allocate research supervisors to students before the commencement of the PhD coursework, a departure from the current practice where supervisors are assigned only after the completion of the PhD coursework.

"As per the new ordinance, students will be required to submit a consent letter from their proposed research supervisors and co-supervisors to the department research committee (DRC) before the submission of the first fee. Additionally, the department will organise an interaction meet between the selected candidates and their proposed supervisors to facilitate mutual understanding and collaboration. The new provisions will enable students to utilise their time during the coursework for literature surveys and identifying research problems for their PhD. This means that students can start their research work immediately after taking admission to the PhD programme without having to wait for the completion of the coursework," LU spokesperson said.

These changes are expected to streamline the PhD process, reduce unnecessary delays, and enhance the overall research experience for students at the University of Lucknow.

"By providing students with early access to research supervisors and allowing them to begin their research work alongside coursework, the university aims to foster a conducive environment for research and scholarly pursuits," the spokesperson said.

Prof Rai is leading the efforts to implement these changes in the PhD regulations, ensuring that the university remains at the forefront of academic excellence and research innovation.

Dean, Academics, Prof Poonam Tandon said that the new PhD ordinance is poised to bring about a positive transformation in the research landscape of the university, empowering students to embark on their research journeys with increased efficiency and support.

DAINIK JAGRAN PAGE 4

आनलाइन होगी पीएचडी की मौखिक परीक्षा

राज्य विश्वविद्यालयों के लिए तैयार हो रहे पीएचडी अध्यादेश में शामिल होगी नई व्यवस्था

जासं, लखनऊ : राज्य विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रक्रिया को लेकर बड़ा बदलाव नजर आएगा। अब पीएचडी थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन की सभी प्रक्रियाएं आनलाइन और पेपरलेस होंगी। मौखिक परीक्षाएं आनलाइन होंगी। विशेष मामलों में आफलाइन पीएचडी मौखिक परीक्षा करवाने की अनुमति लेनी होगी। विश्वविद्यालयों में यूजीसी के पीएचडी नियम 2022 को शामिल करने के लेकर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में हुई समिति की बैठक में यह सहमति बनी।

राज्य विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पीएचडी का नया अध्यादेश बनाया जा रहा है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से बनी कमेटी के अध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय हैं। उनकी अध्यक्षता में हुई बैठक में डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव संजय मेधावी, प्रो. विभूति राय, प्रो. आर के सिंह (विधि संकाय) और प्रो. बिमल जायसवाल के अलावा आनलाइन माध्यम से डा. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा की कुलपति प्रो. आशु रानी, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रो. केपी सिंह शामिल हुए। इसमें पीएचडी अध्यादेश के ड्राफ्ट को साझा किया गया। कमेटी ने कहा कि प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों में पीएचडी कार्यक्रमों के लिए एक मानकीकृत और संगठित ढांचा लागू किया जाएगा।

पार्ट टाइम पीएचडी पर दो जुलाई तक सुझाव : समिति की सदस्य सचिव प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कमेटी के सदस्यों ने पार्ट-टाइम पीएचडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया और उपस्थिति के संबंध में चर्चा की। इसमें लवि ने विस्तृत ड्राफ्ट रखा। सदस्यों से कहा गया कि वे इस ड्राफ्ट की समीक्षा करके दो जुलाई तक अपने सुझाव दें, ताकि अगली बैठक में उन विषयों पर चर्चा की जा सके।

बीकाम सहित पांच कोर्सों के परिणाम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार देर शाम विभिन्न पाठ्यक्रमों के सेमेस्टर परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। इसमें एमसीए चौथे सेमेस्टर, बीकाम प्रथम सेमेस्टर, एलएलबी तीन वर्षीय तीसरे सेमेस्टर, एमए ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर और एमए डिफेंस स्टडीज तीसरे सेमेस्टर के परिणाम शामिल हैं। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं।

लवि : सात नए शिक्षकों की नियुक्तियों को अनुमोदन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में कार्यपरिषद की आकस्मिक बैठक आयोजित की गई। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि तीन विभागों में सात नए शिक्षकों की नियुक्तियों को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। इनमें हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषाएं विभाग में तीन, मनोविज्ञान विभाग में एक और अंग्रेजी तथा आधुनिक यूरोपीय भाषाएं विभाग में तीन असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं। (जास)

परिणाम जारी

लखनऊ : भाषा विश्वविद्यालय ने बुधवार को बीटेक आठवें और एमटेक चौथे सेमेस्टर की विभिन्न शाखाओं के परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। परीक्षा नियंत्रक डा. भावना मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://kmclu.ac.in/results/ पर परीक्षा परिणाम की जानकारी देख सकते हैं। (जास)

सात छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ : लवि के सात छात्र-छात्राओं का चयन एचसीएल टेक्नोलाजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड में हुआ है। मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी में बीटेक के छात्र अंकित कुमार, एमबीए के छात्र शैलेश कनौजिया का ब्रांच क्रेडिट मैनेजर और बीकाम के छात्र प्रशांत अग्रहरि का चयन रिलेशनशिप आफिसर के पद पर हुआ। इन्हें 2.29 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा। एचसीएल टेक्नोलाजीस में रीतेश कुमार, प्रतीक गुप्ता, उत्कर्ष वर्मा और कृष्णकांत झा का चयन 3.25 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। (जास)

i-NEXT PAGE 4

सात छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

LUCKNOW (28 June): एलयू के सात छात्र-छात्राओं का चयन एचसीएल टेक्नोलाजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड में हुआ है. इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी में बीटेक के छात्र अंकित कुमार, एमबीए के छात्र शैलेश कनौजिया का ब्रांच क्रेडिट मैनेजर और बीकाम के छात्र प्रशांत अग्रहरि का चयन रिलेशनशिप आफिसर के पद पर हुआ. इन्हें 2.29 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा. इस तरह अन्य चयनित छात्रों को भी अच्छा पैकेज मिला है.

सात नए शिक्षकों की नियुक्तियों को अनुमोदन

LUCKNOW (28 June): एलयू में बुधवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में कार्यपरिषद की आकस्मिक बैठक आयोजित की गई. कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि तीन विभागों में सात नए शिक्षकों की नियुक्तियों को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है. इनमें हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषाएं विभाग में तीन, मनोविज्ञान विभाग में एक और अंग्रेजी तथा आधुनिक यूरोपीय भाषाएं विभाग में तीन असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं.

पीएचडी की अब मौखिक परीक्षा होगी आनलाइन

iUPDATE

पीएचडी अध्यादेश में शामिल होगी नई व्यवस्था

LUCKNOW (28 June): राज्य विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रक्रिया को लेकर बड़ा बदलाव नजर आएगा. अब पीएचडी थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन की सभी प्रक्रियाएं आनलाइन और पेपरलेस होंगी. मौखिक परीक्षाएं आनलाइन होंगी. विशेष मामलों में आफलाइन पीएचडी मौखिक परीक्षा करवाने की अनुमति लेनी होगी. विश्वविद्यालयों में यूजीसी के पीएचडी नियम 2022 को शामिल करने के लेकर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में हुई समिति की बैठक में यह सहमति बनी.

बनाया जा रहा अध्यादेश

राज्य विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पीएचडी का नया अध्यादेश बनाया जा रहा है. इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से बनी कमेटी के अध्यक्ष वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय हैं.

दो जुलाई तक सुझाव

समिति की सदस्य सचिव प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कमेटी के सदस्यों ने पार्ट-टाइम पीएचडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया और उपस्थिति के संबंध में चर्चा की. इसमें एलयू ने विस्तृत ड्राफ्ट रखा. सदस्यों से कहा गया कि वे इस ड्राफ्ट की समीक्षा करके दो जुलाई तक अपने सुझाव दें, ताकि अगली बैठक में उन विषयों पर चर्चा की जा सके.

संगठित ढांचा लागू होगा

उनकी अध्यक्षता में हुई बैठक में डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव संजय मेधावी, प्रो. विभूति राय, प्रो. आर के सिंह (विधि संकाय) और प्रो. बिमल जायसवाल के अलावा आनलाइन माध्यम से डा. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा की कुलपति प्रो. आशु रानी, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रो. केपी सिंह शामिल हुए. इसमें पीएचडी अध्यादेश के ड्राफ्ट को साझा किया गया.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीएचडी वाइवा भी ऑनलाइन होंगे

लखनऊ। लविवि के साथ सभी राज्य विवि में पीएचडी के मूल्यांकन संबंधी काम ऑनलाइन करने की तैयारी चल रही है। इसके तहत मूल्यांकन का काम पेपरलेस होगा। किसी शिक्षक को इसकी हार्ड कॉपी चाहिए होगी तो उसे उपलब्ध कराई जाएगी। पीएचडी वाइवा भी ऑनलाइन होंगे। विशेष अनुमति के बाद ऑफलाइन वाइवा हो सकेंगे।

पीएचडी के मानकीकृत ऑर्डिनेंस तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से गठित कमेटी की लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई ऑनलाइन बैठक में यह चर्चा हुई।

कमेटी के सदस्यों ने पार्ट इम पीएचडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया और उपस्थिति के संबंध में भी चर्चा की। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पहले से ही इससे संबंधित विस्तृत ड्राफ्ट तैयार किया था, जो सभी सदस्यों के साथ साझा किया गया। सदस्यों से ड्राफ्ट की समीक्षा कर दो जुलाई तक उनकी टिप्पणी के साथ भेजने के लिए कहा गया।

लविवि के प्रस्तावित पीएचडी ऑर्डिनेंस की चार सदस्यीय ड्राफ्ट कमेटी में डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन (सदस्य सचिव), प्रो. विभूति राय (भूविज्ञान विभाग), प्रो. आरके सिंह (विधि संकाय) और प्रो. बिमल जायसवाल (व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग) हैं। इनकी ओर से तैयार किए गए मुख्य बिंदुओं और पीएचडी अध्यादेश के ड्राफ्ट को बैठक में साझा किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

सात शिक्षकों की नियुक्ति के खुले लिफाफे

लखनऊ। लविवि में बुधवार को कार्य परिषद की आपात बैठक बुलाई गई। इसमें सात शिक्षकों की नियुक्ति के लिफाफे खोले गए। इनमें से तीन-तीन हिंदी और अंग्रेजी विभाग के तथा एक मनोविज्ञान विभाग का है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि के सात छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि के सात विद्यार्थियों का एचसीएल टेक्नोलॉजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी में प्लेसमेंट हुआ है। संकाय के डीन प्रो. एके. सिंह ने बताया कि अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल की ड्राइव में मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी में बीटेक के छात्र अंकित कुमार, एमबीए के शैलेश कनौजिया का ब्रांच क्रेडिट मैनेजर और बीकॉम के छात्र प्रशांत अग्रहरि का रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर 2.29 लाख रुपये सालाना पैकेज पर चयन हुआ। एचसीएल टेक्नोलॉजीस में बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र रीतेश कुमार, प्रतीक गुप्ता, उत्कर्ष वर्मा और कृष्ण कांत झा का ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 3.25 लाख सालाना के पैकेज पर चयन हुआ। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

LU के सात छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के सात छात्रों का एचसीएल टेक्नोलॉजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड में प्लेसमेंट हुआ। संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने बताया कि विवि के अभियांत्रिकीय संकाय की ओर से हुए प्लेसमेंट ड्राइव में मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी में बीटेक छात्र अंकित कुमार और एमबीए छात्र शैलेश कनौजिया का चयन ब्रांच क्रेडिट मैनेजर और बीकॉम छात्र प्रशांत अग्रहरि का चयन रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर हुआ। कंपनी से तीनों को 2.29 लाख रुपये प्रतिवर्ष का पैकेज मिला है। वहीं, एचसीएल टेक्नोलॉजीस में बीटेक कंप्यूटर साइंस एवं इंजिनियरिंग के रीतेश कुमार, प्रतीक गुप्ता, उत्कर्ष वर्मा और कृष्ण कांत झा का चयन इंजिनियर ट्रेनी के पद पर हुआ। कंपनी से चारों को 3.25 लाख रुपये प्रतिवर्ष का पैकेज मिला है।

पेपरलेस पीएचडी के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू में पीएचडी में थीसिस जमा करने और मूल्यांकन की प्रक्रिया अब ऑनलाइन और पेपरलेस होगी जबकि विशेष मामलों में ही ऑफलाइन पीएचडी मौखिक परीक्षा की अनुमति ली जाएगी। इसे लेकर एलयू के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग की ओर से बनी कमेटी की बैठक हुई। इस ऑनलाइन बैठक में पहले से बनाए गए ड्राफ्ट को मंजूरी दी गई। बैठक में डॉ.बीआर अम्बेडकर विवि आगरा की कुलपति प्रो.अंशु रानी, बरेली एमजेपी रुहेलखंड विवि के प्रो. केपी सिंह, एलयू के कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी समेत डीन एकेडमिक्स प्रो.पूनम टंडन भी शामिल रहे।

HINDUSTAN PAGE 6

वरिष्ठ शिक्षकों को दी जाएगी थीसिस हार्ड कापी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रोजाना ऑर्डिनेंस कमेटी की बैठक हो रही है। बैठक में थीसिस को पोर्टल पर अपलोड करने को लेकर दो मत रहे। इसी तरह विश्वविद्यालय के पीएचडी शोधार्थी को कॉलेज का गाइड मिलने पर रिसर्च का स्थान कहां होगा, इस पर भी चर्चा की। ऑर्डिनेंस कमेटी के कुछ सदस्य पीएचडी थीसिस को सिर्फ शॉफ्ट कापी में सबमिट करने के पक्ष में नहीं हैं।

एलयू के सात छात्रों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। एलयू के सात छात्रों का दो कंपनियों में कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। एचसीएल टेक्नोलॉजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड में प्लेसमेंट हुआ। अधिकतम पैकेज 3.25 लाख सालाना का है। संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कम्पनी में बीटेक के छात्र अंकित कुमार, एमबीए के छात्र शैलेश कनौजिया का चयन ब्रांच क्रेडिट मैनेजर पर हुआ।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

बैठक में साझा हुए पीएचडी अध्यादेश के ड्राफ्ट

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा गठित कमेटी ने बुधवार को ऑनलाइन बैठक में यूजीसी पीएचडी नियम 2022 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ एक पीएचडी अध्यादेश के गठन की चर्चा की। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के लिए एक मानकीकृत पीएचडी ढांचा विकसित करना था। बैठक में प्रो. अंशु रानी, कुलपति, डॉ. बी आर आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा; प्रो. के पी सिंह, कुलपति एम जे पी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली; प्रो. संजय मेधावी, कुलसचिव लखनऊ विश्वविद्यालय; और कमेटी के अन्य सदस्य सम्मिलित थे। चार सदस्यीय कमेटी प्रो. विभूति राय (भूविज्ञान विभाग), आर के सिंह (विधि संकाय) और विमल जायसवाल (व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग) शामिल थे, उनके द्वारा तैयार किए गए मुख्य बिंदुओं और पीएचडी अध्यादेश के ड्राफ्ट को बैठक में साझा किया। बैठक में कमेटी के सदस्यों ने पार्ट-टाइम पीएचडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया और उपस्थिति के संबंध में अपने विचार व्यक्त किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में सात शिक्षकों की नियुक्ति

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में बुधवार को सात शिक्षकों को नियुक्ति प्रदान की गई।

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय मनोविज्ञान में तीन असिस्टेंट प्रोफेसर और अंग्रेजी तथा आधुनिक यूरोपीय भाषाएं तीन असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्त की गई। इसके अलावा एक अन्य की नियुक्ति की गई है।

लविवि के सात छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सात छात्रों का दो प्रतिष्ठित कंपनियों एचसीएल टेक्नोलॉजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड में प्लेसमेंट हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने चयनित छात्रों को बधाई दी। संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कम्पनी में बीटेक के छात्र अंकित कुमार, एमबीए के छात्र शैलेश कनौजिया का चयन ब्रांच क्रेडिट मैनेजर और बीकॉम के छात्र प्रशांत अग्रहरि का चयन रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर 2.29 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ, साथ ही एचसीएल टेक्नोलॉजीस में बीटेक कंप्यूटर साइंस एवं इंजिनियरिंग के 4 छात्रों का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 3.25 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ, एचसीएल टेक्नोलॉजीस में इस सत्र (2022-23) में विश्वविद्यालय के बीटेक, बीसीए, बीबीए, बीए, बीकॉम, बीएससी, एमएससी कोर्सेस के कुल 36 छात्रों का प्लेसमेंट हो चुका है।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक

यूजीसी पीएचडी नियम 2022 को शामिल करने को कमेटी की बैठक

लखनऊ, लोकसत्य

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग की गठित कमेटी ने ऑनलाइन बैठक में यूजीसी पीएचडी नियम 2022 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के साथ एक पीएचडी अध्यादेश के गठन की चर्चा की।

लखनऊ यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में इस बैठक का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के लिए एक मानकीकृत पीएचडी का ढांचा विकसित करना था। बैठक में प्रो. अंशु रानी, कुलपति, डॉ. बी आर आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, प्रो. के पी सिंह, कुलपति एम जे पी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली; प्रो. संजय मेधावी, कुलसचिव लखनऊ विश्वविद्यालय और कमेटी के अन्य सदस्य शामिल थे। चार सदस्यीय कमेटी ने जिसमे एलयू डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन (सदस्य सचिव), प्रो. विभूति राय (भूविज्ञान विभाग), प्रो. आर के सिंह (विधि संकाय) और प्रो. बिमल जायसवाल (व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग) शामिल थे। तैयार मुख्य बिंदुओं और पीएचडी अध्यादेश के ड्राफ्ट को बैठक में साझा किया गया। कमेटी के सदस्यों ने पार्ट-टाइम पीएचडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया और मौजूदगी के संबंध में विचार रखे। एलयू ने पहले से ही विस्तृत ड्राफ्ट तैयार किया था। जो सभी सदस्यों के साथ साझा किया गया था। सदस्यों से अपेक्षा की गई कि वे एलयू के तैयार किए गए ड्राफ्ट की समीक्षा कर लें और 2 जुलाई तक अपनी टिप्पणियां भेज दें। ताकि आगामी बैठक में उन विषयों पर चर्चा की जा सके। सभी सदस्यों के सहमत होने पर, कमेटी ने तय किया कि थीसिस जमा करने और मूल्यांकन की सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन और पेपरलेस रहेंगी। सदस्यों का मत था कि पीएच्डी उम्मीदवारों के लिए पीएचडी की मौखिक परीक्षा ऑनलाइन होनी चाहिए। जबकि ऐसे विशेष मामलों में ऑफलाइन पीएचडी मौखिक परीक्षा करवाने की अनुमति लेनी होगी। यह पीएचडी शोध ग्रंथ की मूल्यांकन और परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक बेहतर बनाएगा। कमेटी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों में पीचडी कार्यक्रमों के लिए एक मानकीकृत और संगठित ढांचा को लागू किया जाएगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

सात छात्रों का हुआ कैम्पस प्लेसमेंट

स्वतंत्रभारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 7 छात्रों का दो प्रतिष्ठित कंपनियों एचसीएल टेक्नोलॉजीस और मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड में प्लेसमेंट हुआ। यह जानकारी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कम्पनी में बीटेक के छात्र अंकित कुमार, एमबीए के छात्र शैलेश कनौजिया का चयन ब्रांच क्रेडिट मैनेजर और बीकॉम के छात्र प्रशांत अग्रहरि का चयन रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर 2.29 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीस में बीटेक कंप्यूटर साइंस एवं इंजिनियरिंग के 4 छात्रों का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 3.25 लाख सालाना के पैकेज पर हुआ है।